9. गाय / भैंस के बच्चे की देखरेख :

- नवजात बच्चों की नाल को नये ब्लेड अथवा साफ चाकू से काटकर टिंचर आयोडीन लगानी चाहिए।
- जन्म के बाद बच्चे को खीस पिलाना बहुत जरूरी है।
- जन्म के 30 मिनट बाद बच्चे को मां का दूध पीने में सहायता करनी चाहिए।
- यदि बच्चे को मां से अलग रखकर पालना है तो उसे मां के थन से दूध न देकर अलग से तसले में खीस पिलाना चाहिए।
- बच्चों को ठंड से बचाना चाहिए।
- बच्चों को उनके साइज/उम्र के अनुसार अलग-अलग करना चाहिए।
- बच्चों को रोगों से बचाने के लिये टीके लगवायें।
- बच्चों को 4-5 दिन की आयु में सींग रहित कर देना चाहिए।

9.1 प्रथम सप्ताह से सात माह तक के बछड़े एवं बछियों का राशन

आयु	किलोग्राम में दूध की मात्रा		जौ का पानी (किलोग्राम में)	दाना (किलोग्राम में)
	बछिया	बछड़ा		
प्रथम दिन	मां का दूध	मां का दूध	-	-
प्रथम सप्ताह	वजन का 1/10 भाग	वजन का 1/10 भाग	-	-
दूसरा सप्ताह	" + 0.5	" + 0.7	-	-
तीसरा सप्ताह	" + 0.7	" + 0.9	-	-
चौथा सप्ताह	" + 0.9	" + 0.9	-	-
पांचवा सप्ताह	" + 1.12	" + 1.4	-	-
छठवां सप्ताह	" + 1.4	" + 1.4	0.250	0.125
सातवां सप्ताह	" + 1.6	" + 1.8	0.250	0.125
आठवां सप्ताह	" + 1.8	" + 1.8	0.450	0.125
तीसरा माह	4.500	3.750	0.675	0.675
चौथा माह	3.750	3.000	0.900	1.200
पांचवा माह	3.175	2.270	0.900	1.200
छठवां माह	2.725	1.360	0.900	1.370
सातवां माह	2.270	-	0.900	1.370

टिप्पणी :

1. 8 किलोग्राम जौ का पानी बनाने के लिए 01 किलोग्राम जौ काम में लाये जाते हैं।
2. बछड़ों के दाने में नीचे लिखी चीजें मिलानी चाहियें -

जई	-	35 प्रतिशत
भूसी	-	30 प्रतिशत
खली मूंगफली	-	20 प्रतिशत
जौ	-	10 प्रतिशत
अलसी	-	5 प्रतिशत

2. तीसरे महीने तक बछड़ों को चारा-घास इत्यादि खाना सिखा देना चाहिए जिससे कि दूध कम किये जाने पर ये चारा-घास खा सकें।
3. छठे महीने बाद बछड़ों को और सातवें महीने बाद बछियों का चारा उनके वजन के अनुसार खिलाना प्रारम्भ कर देना चाहिये। साथ में 1.4 किलोग्राम दाना देना चाहिये।
4. बढ़ते हुय वजन की अवश्यकता को पूरा करने के लिये बछड़ों को प्रति दिन 30 ग्राम नमक और 30 ग्राम बोनमील खिलाना चाहिये।
5. बछड़ों के लिये पर्याप्त स्वच्छ जल का प्रबन्ध करना चाहिये।